

पुस्तक माध-१। १५. ०१.११ < < १।

पेशा ही

५

०९.११.२२

पञ्जाब की पेशा। वादी आधिकार्य उपस्थित।  
तहसीलदार शेरदर से बंटवास पुस्तक  
प्राप्त। वादी आधिकार्य को हुक गयो।  
वादी आधिकार्य ने बंटवास पुस्तक को  
स्वीकार किया। पञ्जाब की का स्थान इविक  
अवगतन व अवलोकन किया गया।

१०७५

१६/११/२२

जायमिक डिग्री की पालना में पेशा बंटवास  
पुस्तक के अनुसार पञ्जाब की स्वीकार योग्य  
होने से स्वीकार की जाती है। जिसका अन्त में  
लिया जाऊ तहसीलदार शेरदर को तहसील  
पारी है। पञ्जाब की स्थिति अनुसार होकर  
उम गच्छा से कन की पालना वास्तव  
रूप में है।

पुस्तक उपस्थित  
एवमाद  
१६/११/२२  
वादी के

पुस्तक कलेक्टर  
(S. D. O.) गंगर

U A